-- अनुक्रमणिका --

		पृष्ठ क्रमांक
प्राक्कथन		
प्रथम अध्याय	-- श्रीलाल शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय।	1 से 13
द्वितीय अध्याय	-- "राग-दरबारी" उपन्यास की कथावस्तु।	14 से 37
तृतीय अध्याय	-- "राग-दरबारी" उपन्यास के पात्र।	38 से 58
चतुर्थ अध्याय	-- "राग-दरबारी" उपन्यास में चित्रित कथोपकथन और देशकाल वातावरण।	59 से 71
पंचम अध्याय	-- "राग-दरबारी" उपन्यास में भाषा सौष्ठव और व्यंग्य।	72 से 83
उपसंहार।		84 से 88
परिशिष्ट।		
संदर्भ ग्रंथ सूची।		